2

विभिन्न अनुप्रयोगों के माध्यम से पढ़ने और लिखने के कौशल का विकास करना

अतुल बमराडा*
पूनम बमराडा**

बच्चे जन्म से ही भाषा सीखना शुरू कर देते हैं। जैसे-जैसे वे बढ़ते और विकसित होते हैं, उनकी वाणी और भाषा कौशल अधिक जटिल होते जाते हैं। वे अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने और दूसरों के साथ संवाद करने के लिए भाषा को समझना और उसका उपयोग करना सीखते हैं। एक बच्चे का पढ़ने और लिखने का कौशल यह निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है कि बच्चा स्कूल में कितना अच्छा प्रदर्शन करेगा और बाद में समाज के लिए कितना उपयोगी सिद्ध होगा। हालाँकि, पढ़ने और लिखने के कौशल में जीवन भर सुधार होता है, बचपन के शुरुआती वर्ष विकास में सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। अच्छे पढ़ने और लिखने के कौशल का लाभ यह है कि, यह न केवल छात्रों को कल्पना और रचनात्मकता की दुनिया में रहने की अनुमति देता है, बल्कि विभिन्न विषयों की समझ को भी आसान और सरल बनाता है। हालाँकि, पढ़ने और लिखने की क्षमता स्वाभाविक रूप से विकसित नहीं होती है, इसके लिए उचित योजना और कार्यान्वयन की आवश्यकता है। वे शिक्षक व ऐसी शैक्षिक प्रक्रियाएँ, जो बच्चों को व्याकरण संबंधी त्रुटियों और उचित लिखावट के लिए बाध्य किए बिना लिखित और मौखिक प्रारूपों में खुद को अभिव्यक्त करने के नियमित अवसर प्रदान करते हैं, ऐसे विद्यार्थी इन कौशलों के वास्तविक उद्देश्य को समझ पाते हैं तथा समाज के लिए अधिक उपयोगी सिद्ध होते हैं।

शिक्षार्थी अपनी भाषा, अपने अनुभव और दुनिया को देखने के अपने तरीके के साथ स्कूल आते हैं। शिक्षार्थी घर, परिवार और परिवेश से स्कूल में जो अनुभव लेकर आते हैं, वे बहुत समृद्ध होते हैं। उनकी भाषायी पूँजी का उपयोग भाषा सीखने के लिए किया जाना चाहिए (मुर्रे, 2017)। जब कोई शिक्षार्थी पहली बार स्कूल आता है तो वह कई शब्दों के अर्थ और प्रभाव से परिचित होता है। लिपिबद्ध संकेत और उनसे जुड़ी ध्वनियाँ शिक्षार्थियों के लिए अमूर्त हैं, इसलिए पढ़ना सार्थक सामग्री से शुरू होना चाहिए और एक उद्देश्य

**सहायक अध्यापक*, विद्यालयी शिक्षा विभाग, उत्तराखंड सरकार 248 008
***सहायक अध्यापक*, विद्यालयी शिक्षा विभाग, उत्तराखंड सरकार 248 008

के लिए होना चाहिए। इसका उद्देश्य किसी कहानी को सुनकर पढ़ने का आनंद लेना हो सकता है (मिनोवी, 2017; सिंह और सिंह, 2012)। भाषा की लिपि से परिचित होने के बाद लिखित भाषा को पढ़ने और समझने की जिज्ञासा उत्पन्न होती है और उनमें ज्ञान का सृजन होता है। यह निर्माण किसी के सिखाने या दबाव से नहीं, बल्कि शिक्षार्थियों के अपने अनुभवों और ज़रूरतों से होता है। इसलिए शिक्षार्थियों को ऐसा माहौल मिलना ज़रूरी है जहाँ वे बिना किसी रोक-टोक के और अपनी जिज्ञासा के मुताबिक अपने परिवेश का पता लगा सकें। यही अवधारणा शिक्षार्थियों की भाषाई क्षमताओं पर भी लागू होती है (शी, 2011 और मुर्रे, 2017)। कक्षा में शिक्षार्थी विभिन्न भाषाई-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आते हैं। कक्षा में उनकी भाषाओं का स्वागत किया जाना चाहिए, क्योंकि शिक्षार्थियों की भाषा को अस्वीकार करने का मतलब उनकी पहचान को अस्वीकार करना है। प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने और सिखाने के संबंध में, यह महत्वपूर्ण है कि शिक्षार्थी विभिन्न परिचित और अपरिचित संदर्भों में भाषा का सही ढंग से उपयोग करने में सक्षम हों (मिलर, 2002)। उन्हें आसान, कल्पनाशील, प्रभावी और व्यवस्थित तरीके से विविध लेखन करने में सक्षम होना चाहिए। वे भाषा को प्रभावशाली बनाने के लिए सही शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं (मुर्रे, 2017)। यह भी आवश्यक है कि इन चारों प्रक्रियाओं में शिक्षार्थी अपने पूर्वज्ञान की सहायता से अर्थ निर्माण करने में सक्षम हों और कही गई बातों के निहितार्थ को भी समझने में सक्षम हों। 'पढ़ना' और 'लिखना' भाषा सीखने के दो मुख्य घटक हैं।

'पढ़ना' और 'लिखना' क्यों?

पढ़ना, समझना और उस पर प्रतिक्रिया देना ही सही मायनों में पढ़ने की एक समृद्ध प्रक्रिया है। यह सिर्फ किताबी कौशल नहीं, बल्कि एक पेचीदा प्रक्रिया है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि पढ़ना मूलतः एक सार्थक गतिविधि है। हम यह भी कह सकते हैं कि कुछ संदर्भों और अनुमानों के आधार पर मुद्रित या लिखित सामग्री से अर्थ ग्रहण करने की आवश्यकता है (स्त्रिकलैंड और मोरो, 2000)। यह समझना भी महत्वपूर्ण है कि जिस सामग्री को पढ़ने की अपनी एक अनूठी संरचना होती है और उस संरचना को समझना परिचित अर्थ निकालने में सहायक होता है।

'लेखन' तभी सार्थक गतिविधि बनेगी जब शिक्षार्थियों को अपनी भाषा, अपनी कल्पना, अपने दृष्टिकोण में लिखने की आज़ादी मिलेगी। शिक्षार्थियों को ऐसे अवसर मिलने चाहिए कि वे ब्लैकबोर्ड, किताबों या शिक्षक की लिखी बातों की नकल करने के बजाय अपनी भाषा और शैली विकसित कर सकें (मिलर, 2002, मैककैरियर, पिन्नेल और फाउनटास, 2000)।

पढ़ना और लिखना सीखने का एकमात्र उद्देश्य यह नहीं है कि शिक्षार्थी अपनी पाठ्यपुस्तक पढ़ना सीख सकें और अपनी पाठ्यपुस्तक के विभिन्न पाठों के अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखना सीख सकें, बल्कि इसका उद्देश्य उन्हें पढ़ने और लिखना सीखने में सक्षम बनाना है। उन्हें अलग-अलग उद्देश्यों के लिए समझ के साथ पढ़ना और लिखना चाहिए तथा पढ़ना और लिखना सीखने की प्रक्रिया में यह तथ्य भी शामिल होना चाहिए कि विभिन्न उद्देश्यों

के लिए पढ़ने और लिखने के तरीकों में अंतर होता है। पढ़ने का तरीका इस बात पर भी निर्भर करता है कि हमारे पढ़ने का उद्देश्य क्या है? विज्ञापन पढ़ने और सूचना पढ़ने में अंतर है। इसी प्रकार, लेखन के संदर्भ में यह भी महत्वपूर्ण है कि हमारा पाठक कौन है अर्थात हम किसके लिए लिख रहे हैं (स्त्रिकलैंड और मोरो, 2000)। यदि हमें विद्यालय के खेल समारोह की जानकारी लिखनी हो, तो उसके पाठक विद्यालय के सहपाठी, शिक्षक एवं अन्य कर्मचारी होते हैं (मैककैरियर, पिन्नेल और फाउनटास, 2000)। लेकिन यदि यही जानकारी समुदाय और अभिभावकों को दी जानी है तो इसके पाठकों में माता-पिता और समुदाय के सदस्य भी शामिल होंगे। दोनों ही मामलों में, हमारे लिखने के तरीके और भाषा में बदलाव आना स्वाभाविक है।

प्रारंभिक अवस्था (प्रिपरेटरी स्टेज) में पढ़ना और लिखना

प्रारंभिक अवस्था में शिक्षार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे जो कहते या लिखते हैं, उस पर अपनी प्रतिक्रियाएँ व्यक्त करें और प्रश्न पूछें। शिक्षार्थियों की भाषा इस बात का प्रमाण है कि वे अपनी भाषा का व्याकरण अच्छी तरह जानते हैं अथवा नहीं। लेकिन व्याकरण की समझ रखने के लिए यह आवश्यक है कि शिक्षार्थियों को विभिन्न पाठों के संदर्भ में और आसपास के वातावरण से जोड़कर इसके विभिन्न पहलुओं की पहचान कराई जाए। उनका ध्यान विभिन्न प्रकार के भाषा प्रयोगों की ओर आकर्षित किया जाना चाहिए, ताकि वे भाषा की बारीकियों को पकड़ सकें और उन्हें अपनी भाषा में उचित रूप से प्रयोग कर सकें। भाषा सीखने की प्रक्रिया और वातावरण के संदर्भ में, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एक स्तर पर की जाने वाली प्रक्रियाओं का उपयोग अगले स्तर की कक्षाओं के लिए किया जा सकता है (स्त्रिकलैंड और मोरो, 2000)।

कक्षावार अथवा स्तरवार रोचक विषय-सामग्रियों का चयन किया जाना चाहिए ताकि शिक्षार्थी भाषा की विभिन्न शैलियों और रंगों से परिचित हो सकें और उनका प्रभावी उपयोग कर सकें। इस संदर्भ में रोचक एवं विविधतापूर्ण बाल साहित्य का विशेष महत्व है। भाषा संबंधी सभी क्षमताएँ, जैसे— सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना एक-दूसरे से संबंधित हैं और एक-दूसरे के विकास में मदद करती हैं। इसलिए उन्हें अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए।

शोध उद्देश्य

इस शोध अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य हैं—

- प्रारंभिक अवस्था में शिक्षार्थियों के पढ़ने व लिखने के कौशल में सुधार करना।
- प्रारंभिक अवस्था में शिक्षार्थियों के बीच नियमित पढ़ने की आदतों में सुधार करना।
- प्रारंभिक अवस्था में शिक्षार्थियों की रचनात्मकता, विश्लेषणात्मक कौशल और कल्पनाशीलता को मज़बूत करना।

शोध प्रक्रिया

नमूनाकरण के उद्देश्य से राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय, गंगा भोगपुर में कक्षा 3 के 3, कक्षा 4 के 3, व कक्षा 5 के 9 शिक्षार्थियों को क्रमबद्ध प्रतिदर्श

शोध प्रक्रिया के अनुरूप चुना गया, क्योंकि इसके परिणामस्वरूप अधिक विश्वसनीय और विस्तृत जानकारी मिलती है (कोठारी, 2011)। अगस्त, 2021 से जनवरी, 2022 तक प्रारंभिक चरण में पढ़ने और लिखने के कौशल को विकसित करने के लिए निम्नलिखित गतिविधियों (5.1–5.4) को कक्षा में शिक्षार्थियों के साथ ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यमों द्वारा कार्यान्वित किया गया। तत्पश्चात, तीन चरणों में शोध अध्ययन शुरु करने से पहले सप्ताह में चरण 1, 14वें सप्ताह में चरण 2 और अंत के 28वें सप्ताह में चरण 3, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पौड़ी गढ़वाल के संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शिक्षक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा निर्देशित सीखने के प्रतिफलों के आधार पर शिक्षार्थियों का एक व्यवस्थित मूल्यांकन किया गया। शिक्षार्थियों के मूल्यांकन हेतु डायट (डी.आई.ई.टी.) संकाय सदस्यों द्वारा निर्मित मानकीकृत उपकरण का प्रयोग किया गया, जिसे डी.एल.एड. प्रशिक्षुओं के द्वारा शोध अध्ययन के दौरान प्रशासित किया गया (Annexure I)। तत्पश्चात तीनों चरणों में प्राप्त आँकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया।

कहानी पूरी करना

इस विचार से शिक्षार्थियों में एक सशक्त रचनात्मक भावना विकसित हुई। आमतौर पर, हमने एक कहानी सुनाई और अवधारणा पर चर्चा की। हालाँकि, इस गतिविधि में, एक कहानी या अवधारणा के पूरा होने के बाद हमने शिक्षार्थियों से दिए गए विषय को स्वयं पूरा करने के लिए कहा, जिससे शिक्षार्थियों को अभिव्यक्ति और अन्वेषण के अवसर मिल सकें। इस विचार ने स्वस्थ विचार-मंथन सत्रों की शुरुआत की। इस गतिविधि के दौरान भाग लेने के लिए शिक्षार्थियों में काफ़ी उत्साह था। इसने स्व-शिक्षा के साथ-साथ समूह शिक्षण को भी बढ़ावा दिया। इसने तीनों प्रकार के शिक्षार्थियों यानी श्रवण (Auditory), दृश्य (Visual) और गतिज (Kinesthetic) के लिए भी सुविधा प्रदान की।

लेखक के रूप में शिक्षार्थी

कहानियाँ अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम हैं, जो शिक्षार्थियों को अपनी शब्दावली, वाक्य संरचना और विचारों के प्रवाह का विस्तार करने का अवसर देती हैं। इस गतिविधि में, शिक्षार्थियों को प्रत्येक सप्ताह की शुरुआत में एक कहानी लिखने के लिए कहा गया। उन्होंने सिखाए गए विषयों पर कहानियाँ लिखीं। उन्हें उनके नियमित अनुभवों के आधार पर लघु कहानियाँ लिखने के लिए प्रेरित किया गया। शिक्षार्थियों ने शोध अवधि के दौरान ऐसी कहानियाँ लिखने के लिए एक नोटबुक रखी। एक लेखक होने की भावना ने उन्हें और अधिक लिखने और अपने लेखन कौशल को विकसित करने के लिए सशक्त बनाया।

ऑडियो पुस्तकें

पुस्तकालय का उपयोग करना और किताबें पढ़ना शिक्षार्थियों के लिए बुनियादी गतिविधियों में से एक है। शिक्षार्थियों ने किताब से क्या पढ़ा और सीखा है, इसका मूल्यांकन करने के लिए आमतौर पर उन्हें एक पुस्तक समीक्षा प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। इस गतिविधि के माध्यम से शिक्षार्थियों को न केवल उत्साही पाठक बनने के लिए प्रेरित किया गया, बल्कि उन्हें पढ़ने के दौरान सामने आने वाले सबसे दिलचस्प

और महत्वपूर्ण तथ्यों को सुनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। छात्र महत्वपूर्ण उद्धरणों, वाक्यांशों आदि को नोट करने के लिए एक नोटबुक रखते थे व नोट की गई सामग्री को कक्षा के सामने पढ़ते भी थे। हमने अपने फोन में शिक्षार्थियों के पठन को रिकॉर्ड किया और फाइलों को ऑडियो फाइलों के रूप में सहेजा। गतिविधि के पीछे का उद्देश्य शिक्षार्थियों में पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करना, उनके बोलने और अभिव्यक्ति कौशल को और अधिक प्रभावी बनाना था। जब शिक्षार्थियों ने अपनी ऑडियो-कहानियाँ सुनीं तो उनमें पढ़ने और सीखने के प्रति अधिक उत्साह महसूस किया गया।

चरमोत्कर्ष (Climax) का पूर्वानुमान लगाएँ

यह पुरानी कहानियों को फिर से लिखने में रचनात्मकता और नवीनता लाने का एक तरीका है। इस गतिविधि ने विचारों को व्यापक बनाया और शिक्षार्थियों को जीवन में विभिन्न स्थितियों के प्रति समस्या-समाधान दृष्टिकोण विकसित करने में मदद की। इससे शिक्षार्थियों के भाषा कौशल और शब्दावली में भी वृद्धि हुई। पारंपरिक कहानियों को शिक्षार्थियों के साथ ऑनलाइन साझा किया गया और शिक्षार्थियों को उनकी कल्पना के अनुसार एक अलग चरमोत्कर्ष के बारे में सोचने के लिए प्रेरित किया गया।

आँकड़ों का विश्लेषण

मूल्यांकन, सीखने का एक प्रमुख घटक है क्योंकि यह शिक्षार्थियों को सीखने में मदद करता है। साथ ही शिक्षक, शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं के अनुसार अपने शिक्षण तरीकों में बदलाव भी कर सकता है। जब विद्यार्थी यह देखने में सक्षम होते हैं कि वे अपनी सीखने की यात्रा में कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं, तो वे यह निर्धारित करने में सक्षम होते हैं कि वे पाठ्यक्रम सामग्री को समझते हैं या नहीं। मूल्यांकन शिक्षार्थियों को प्रेरित करने में भी मदद करता है। इस शोध अध्ययन के दौरान शिक्षार्थियों का एक व्यवस्थित मूल्यांकन किया गया— शोध अध्ययन शुरू करने से पहले चरण 1, 14वें सप्ताह में चरण 2 और अंत के 28वें सप्ताह में चरण 3। शिक्षार्थियों का मूल्यांकन रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा प्रकाशित 'सीखने के प्रतिफल' दस्तावेज़ के आधार 'पढ़ने और लिखने' संबंधी विभिन्न मापदंडों पर किया गया (रा.शै.अ.प्र.प., 2017)।

कक्षा 3 के लिए सीखने के परिणाम(Learning Outcomes)

शोध अध्ययन में यह पाया गया है कि सीखने के उद्देश्य 3.1 (कथन, कहानी, कविता आदि को ध्यान में रखते हुए गुण और अपनी प्रतिक्रिया देते हैं) को उत्तरोत्तर पूरा किया गया है, क्योंकि सभी तीन शिक्षार्थियों ने अपने सीखने के स्तर में 57.1 प्रतिशत तक सुधार किया है।

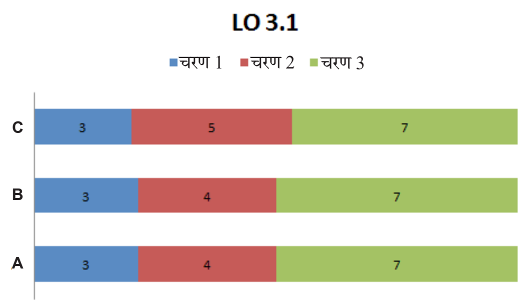

तालिका 1— कक्षा 3 के विद्यार्थियों की प्रगति

विद्यार्थियों के नाम		10 प्वांट के लिकर्ट स्केल पर रेटिंग		
		चरण 1	*चरण 2*	*चरण 3*
C	LO 3.1	3	5	7
	LO 3.2	4	6	8
	LO 3.3	3	5	7
	LO 3.4	3	5	7
	LO 3.5	2	5	7
	LO 3.6	2	4	7
B	LO 3.1	3	4	7
	LO 3.2	2	4	6
	LO 3.3	3	5	6
	LO 3.4	3	4	8
	LO 3.5	2	5	6
	LO 3.6	3	5	7
A	LO 3.1	3	4	7
	LO 3.2	3	6	7
	LO 3.3	3	5	7
	LO 3.4	2	5	7
	LO 3.5	3	6	8
	LO 3.6	2	5	7

शोध अध्ययन में यह पाया गया है कि सीखने के उद्देश्य 3.2 (कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार, चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही पुट के साथ सुनाते हैं।) को उत्तरोत्तर पूरा किया गया है, क्योंकि सभी तीन शिक्षार्थियों ने अपने सीखने के स्तर में क्रमश: 57.1 प्रतिशत, 66.7 प्रतिशत व 50 प्रतिशत तक सुधार किया है।

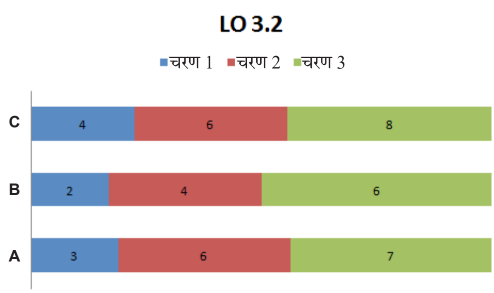

शोध अध्ययन में यह पाया गया है कि सीखने के उद्देश्य 3.3 (आस-पास होने वाली गतिविधियों या घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनुभवों साझा करते है, बातचीत करते हैं व प्रश्न करते हैं।) को उत्तरोत्तर पूरा किया गया है, क्योंकि सभी तीन शिक्षार्थियों ने अपने सीखने के स्तर में क्रमश: 57.1 प्रतिशत, 50 प्रतिशत व 57.1 प्रतिशत तक सुधार किया है।

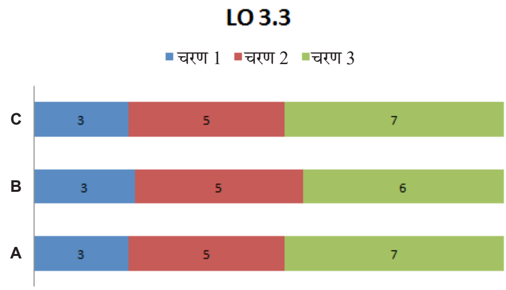

शोध अध्ययन में यह पाया गया है कि सीखने के उद्देश्य 3.4 (तरह तरह की रचनाओं, सामग्री अखबार, बाल पत्रिका आदि को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं व पूछे गए प्रश्नों के उत्तर मौखिक व लिखित रूप से देते हैं।) को उत्तरोत्तर पूरा किया गया है, क्योंकि सभी तीन शिक्षार्थियों ने अपने सीखने के स्तर में क्रमश: 71.4 प्रतिशत, 62.5 प्रतिशत, व 57.1 प्रतिशत तक सुधार किया है।

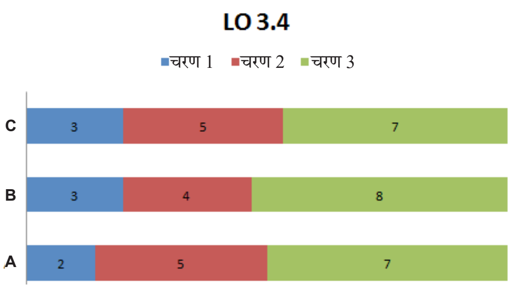

शोध अध्ययन में यह पाया गया है कि सीखने के उद्देश्य 3.5 (विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम चिह्नों, जैसे— पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिह्न का सही उपयोग करते हैं।) को उत्तरोत्तर पूरा किया गया है, क्योंकि सभी तीन शिक्षार्थियों ने अपने सीखने के स्तर में क्रमश: 62.5 प्रतिशत, 66.7 प्रतिशत व 71.4 प्रतिशत तक सुधार किया है।

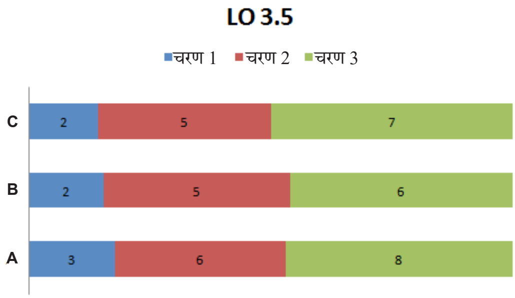

शोध अध्ययन में यह पाया गया है कि सीखने के उद्देश्य 3.6 (स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत वर्तनी के प्रति सचेत होते हुए स्व-नियंत्रित लेखन करते हैं।) को उत्तरोत्तर पूरा किया गया है, क्योंकि सभी तीन शिक्षार्थियों ने अपने सीखने के स्तर में क्रमश: 71.4 प्रतिशत, 57.1 प्रतिशत व 71.4 प्रतिशत तक सुधार किया है।

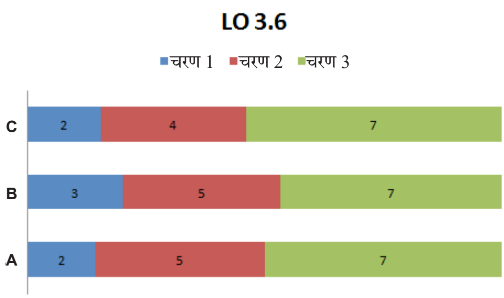

कक्षा 4 के लिए सीखने के परिणाम

शोध अध्ययन में यह पाया गया है कि सीखने के उद्देश्य 4.1 'दूसरों द्वारा कही जा रही बात को ध्यान से सुनकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते और प्रश्न पूछते हैं' को उत्तरोत्तर पूरा किया गया है, क्योंकि सभी तीन शिक्षार्थियों ने अपने सीखने के स्तर में क्रमश: 50 प्रतिशत, 44 प्रतिशत व 62.5 प्रतिशत तक सुधार किया है।

तालिका 2— कक्षा 4 के विद्यार्थियों की प्रगति

विद्यार्थियों के नाम		**10 प्वांट के लिकर्ट स्केल पर रेटिंग (1–Poor to 10–Excellent)**		
		चरण 1	*चरण 2*	*चरण 3*
C	LO 4.1	4	6	8
	LO 4.2	4	5	7
	LO 4.3	3	5	8
	LO 4.4	4	6	7
	LO 4.5	3	5	8
	LO 4.6	4	6	8
B	LO 4.1	5	7	9
	LO 4.2	3	5	7
	LO 4.3	4	6	7
	LO 4.4	3	5	8
	LO 4.5	4	5	8
	LO 4.6	3	6	8
A	LO 4.1	3	6	8
	LO 4.2	4	6	7
	LO 4.3	3	5	8
	LO 4.4	4	6	8
	LO 4.5	5	6	8
	LO 4.6	4	6	7

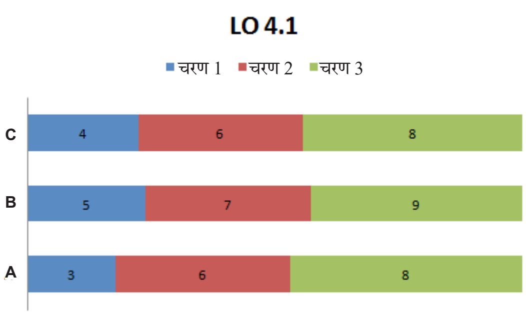

शोध अध्ययन में यह पाया गया है कि सीखने के उद्देश्य 4.2 'कहानी, कविता अथवा अन्य सामग्री को अपनी तरह से अपनी भाषा में कहते हुए उसमें अपनी कहानी व बात जोड़ते हैं' को उत्तरोत्तर पूरा किया गया है, क्योंकि सभी तीन शिक्षार्थियों ने अपने सीखने के स्तर में क्रमश: 42.9 प्रतिशत, 57.1 प्रतिशत व 42.9 प्रतिशत तक सुधार किया है।

LO 4.2

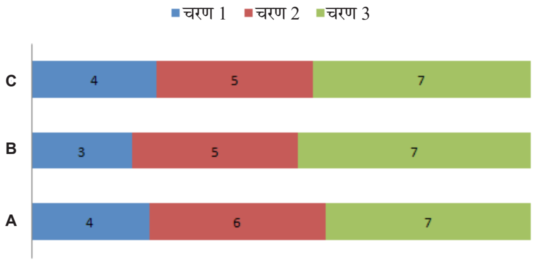

शोध अध्ययन में यह पाया गया है कि सीखने के उद्देश्य 4.3 'अपनी पाठ्यपुस्तक व इससे इतर सामग्री (बाल साहित्य, समाचार पत्र के मुख्य शीर्षक, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ते हैं' को उत्तरोत्तर पूरा किया गया है, क्योंकि सभी तीन शिक्षार्थियों ने अपने सीखने के स्तर में क्रमश: 62.5 प्रतिशत, 42.9 प्रतिशत व 62.5 प्रतिशत तक सुधार किया है।

LO 4.3

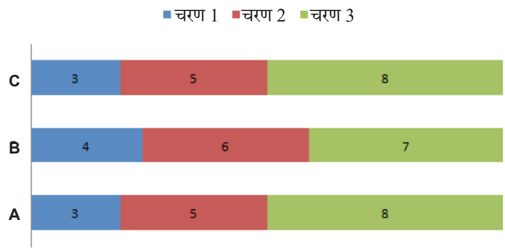

शोध अध्ययन में यह पाया गया है कि सीखने के उद्देश्य 4.4 'पढ़ी हुई सामग्री और निजी अनुभवों को जोड़ते हुए उनसे उत्पन्न संवेदनाओं और विचारों की (मौलिक/लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं' को उत्तरोत्तर पूरा किया गया है, क्योंकि सभी तीन शिक्षार्थियों ने अपने सीखने के स्तर में क्रमश: 50 प्रतिशत, 62.5 प्रतिशत व 42.9 प्रतिशत तक सुधार किया है।

LO 4.4

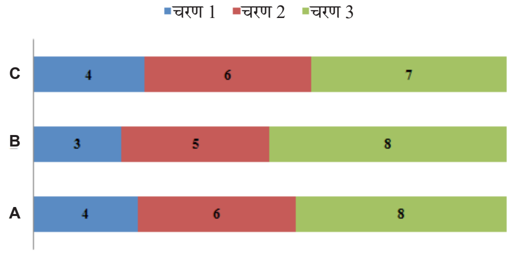

शोध अध्ययन में यह पाया गया है कि सीखने के उद्देश्य 4.5 'भाषा की बारीकियों, जैसे— शब्दों की पुनरावृत्ति, सर्वनाम, विशेषण, जेंडर, वचन आदि के प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं' को उत्तरोत्तर पूरा किया गया है क्योंकि सभी तीन शिक्षार्थियों ने अपने सीखने के स्तर में क्रमश: 62.5 प्रतिशत, 50 प्रतिशत व 37.5 प्रतिशत तक सुधार किया है।

LO 4.5

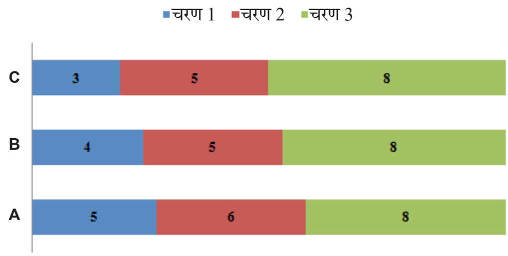

शोध अध्ययन में यह पाया गया है कि सीखने के उद्देश्य 4.6 'विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विरामचिह्नों, जैसे— पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं' को उत्तरोत्तर पूरा किया गया है, क्योंकि सभी तीन शिक्षार्थियों ने अपने सीखने के स्तर में क्रमश: 50 प्रतिशत, 62.5 प्रतिशत व 42.9 प्रतिशत तक सुधार किया है।

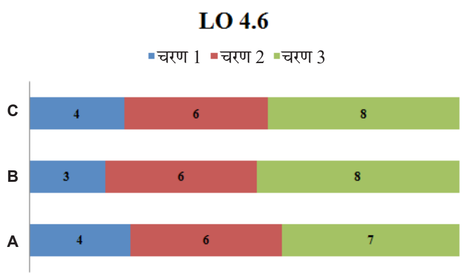

कक्षा 5 के लिए सीखने के परिणाम

शोध अध्ययन में यह पाया गया है कि सीखने के उद्देश्य 5.1 'सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं विषयवस्तु, घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं, अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं, अपनी बात के लिए तर्क देते हैं, निष्कर्ष निकालते हैं' को उत्तरोत्तर पूरा किया गया है, क्योंकि सभी नौ शिक्षार्थियों ने अपने सीखने के स्तर में क्रमश: 57.1 प्रतिशत, 37.5 प्रतिशत, 42.9 प्रतिशत, 40 प्रतिशत, 33.3 प्रतिशत, 37.5 प्रतिशत, 40 प्रतिशत, 60 प्रतिशत व 55.6 प्रतिशत तक सुधार किया है।

तालिका 3— कक्षा 5 के विद्यार्थियों की प्रगति

विद्यार्थियों के नाम		10 प्वांट के लिकर्ट स्केल पर रेटिंग (1–Poor to 10–Excellent)		
		चरण 1	*चरण 2*	*चरण 3*
I	LO 5.1	4	6	9
	LO 5.2	5	7	9
	LO 5.3	5	7	10
	LO 5.4	5	6	8
	LO 5.5	6	7	9
	LO 5.6	4	6	10
	LO 5.7	5	7	9
H	LO 5.1	4	6	10
	LO 5.2	5	6	10
	LO 5.3	5	6	9
	LO 5.4	5	7	9
	LO 5.5	6	7	9
	LO 5.6	5	7	10
	LO 5.7	4	6	9
G	LO 5.1	6	7	10
	LO 5.2	5	7	10
	LO 5.3	6	7	10
	LO 5.4	5	7	9
	LO 5.5	6	8	10
	LO 5.6	6	8	10
	LO 5.7	5	7	9

F	LO 5.1	5	7	8
	LO 5.2	4	6	8
	LO 5.3	5	7	8
	LO 5.4	4	5	7
	LO 5.5	5	6	8
	LO 5.6	5	5	7
	LO 5.7	5	7	8
E	LO 5.1	6	7	9
	LO 5.2	5	7	9
	LO 5.3	6	7	10
	LO 5.4	6	6	8
	LO 5.5	5	6	8
	LO 5.6	5	6	9
	LO 5.7	6	7	8
D	LO 5.1	6	8	10
	LO 5.2	5	7	9
	LO 5.3	6	8	10
	LO 5.4	6	7	10
	LO 5.5	5	6	8
	LO 5.6	6	6	9
	LO 5.7	7	8	9
C	LO 5.1	4	6	7
	LO 5.2	3	4	6
	LO 5.3	4	5	7
	LO 5.4	5	6	6
	LO 5.5	3	5	7
	LO 5.6	4	6	6
	LO 5.7	3	4	5
B	LO 5.1	5	6	8
	LO 5.2	6	7	9
	LO 5.3	5	6	7
	LO 5.4	4	6	8
	LO 5.5	5	7	8
	LO 5.6	6	6	8
	LO 5.7	6	7	9

A	LO 5.1	3	5	7
	LO 5.2	4	5	6
	LO 5.3	4	6	7
	LO 5.4	5	6	8
	LO 5.5	3	5	7
	LO 5.6	5	6	8
	LO 5.7	4	6	8

LO 5.1

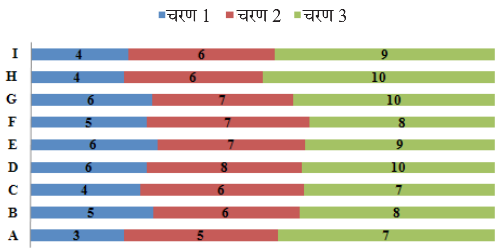

शोध अध्ययन में यह पाया गया है कि सीखने के उद्देश्य 5.2 ‘भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी मौखिक भाषा गढ़ते हैं’ को उत्तरोत्तर पूरा किया गया है, क्योंकि सभी नौ शिक्षार्थियों ने अपने सीखने के स्तर में क्रमश: 3 प्रतिशत, 33.3 प्रतिशत, 50 प्रतिशत, 44.4 प्रतिशत, 44.4 प्रतिशत, 50 प्रतिशत, 50 प्रतिशत, 50 प्रतिशत व 44.4 प्रतिशत तक सुधार किया है।

LO 5.2

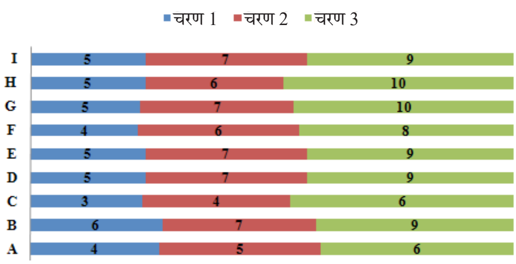

शोध अध्ययन में यह पाया गया है कि सीखने के उद्देश्य 5.3 ‘विविध प्रकार की भाषायी सामग्री में आए संवेदनशील बिंदुओं पर लिखित एवं मौखिक अभिव्यक्ति करते हैं’ को उत्तरोत्तर पूरा किया गया है, क्योंकि सभी नौ शिक्षार्थियों ने अपने सीखने के स्तर में क्रमश: 42.9 प्रतिशत, 28.6 प्रतिशत, 42.9 प्रतिशत, 40 प्रतिशत, 40 प्रतिशत, 37.5 प्रतिशत, 40 प्रतिशत, 44.4 प्रतिशत व 50 प्रतिशत तक सुधार किया है।

LO 5.3

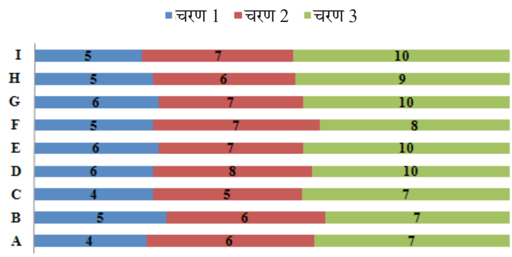

शोध अध्ययन में यह पाया गया है कि सीखने के उद्देश्य 5.4 ‘अपनी पाठ्यपुस्तक से इतर लिखित सामग्री आदि को पढ़ते हुए उसके बारे में बताता है’ को उत्तरोत्तर पूरा किया गया है, क्योंकि सभी नौ शिक्षार्थियों ने अपने सीखने के स्तर में क्रमश: 37.5 प्रतिशत, 50 प्रतिशत, 16.7 प्रतिशत, 40 प्रतिशत, 25 प्रतिशत, 42.9 प्रतिशत, 44.4 प्रतिशत, 44.4 प्रतिशत व 37.5 प्रतिशत तक सुधार किया है।

LO 5.4

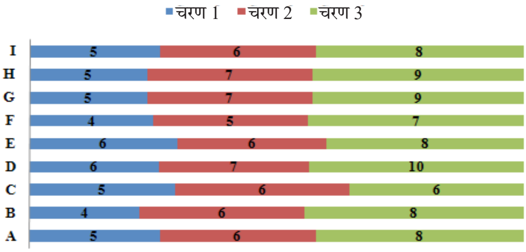

शोध अध्ययन में यह पाया गया है कि सीखने के उद्देश्य 5.5 'विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विरामचिह्नों, जैसे— पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिह्न, उद्धरण चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं' को उत्तरोत्तर पूरा किया गया है क्योंकि सभी नौ शिक्षार्थियों ने अपने सीखने के स्तर में क्रमश: 57.1 प्रतिशत, 37.5 प्रतिशत, 57.1 प्रतिशत, 37.5 प्रतिशत, 37.5 प्रतिशत, 37.5 प्रतिशत, 40 प्रतिशत, 33.3 प्रतिशत व 33.3 प्रतिशत तक सुधार किया है।

LO 5.5

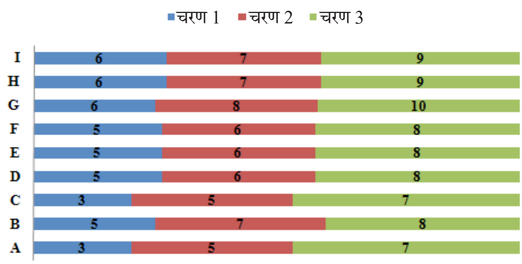

शोध अध्ययन में यह पाया गया है कि सीखने के उद्देश्य 5.6 'स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अतंर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बदलाव करते है' को उत्तरोत्तर पूरा किया गया है, क्योंकि सभी नौ शिक्षार्थियों ने अपने सीखने के स्तर में क्रमश: 37.5 प्रतिशत, 25 प्रतिशत, 33.3 प्रतिशत, 33.3 प्रतिशत, 44.4 प्रतिशत, 28.6 प्रतिशत, 40 प्रतिशत, 50 प्रतिशत व 60 प्रतिशत तक सुधार किया है।

LO 5.6

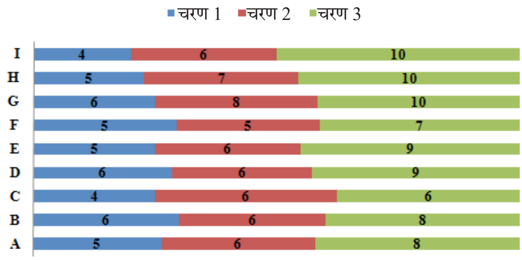

शोध अध्ययन में यह पाया गया है कि सीखने के उद्देश्य 5.7 'अपनी कल्पना से कहानी, कविता, पत्र आदि लिखते हैं। कविता, कहानी को आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं' को उत्तरोत्तर पूरा किया गया है, क्योंकि सभी नौ शिक्षार्थियों ने अपने सीखने के स्तर में क्रमश: 40 प्रतिशत, 33.3 प्रतिशत, 40 प्रतिशत, 22.2 प्रतिशत, 25 प्रतिशत, 37.5 प्रतिशत, 44.4 प्रतिशत, 55.5 प्रतिशत व 44.4 प्रतिशत तक सुधार किया है।

LO 5.7

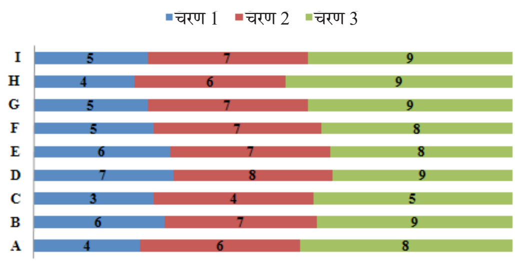

निष्कर्ष

सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना भाषा सीखने के चार बुनियादी घटक हैं। प्रारंभिक चरण (एलीमेंट्री स्टेज) में, पढ़ना और लिखना, सुनने और बोलने की तुलना में अधिक प्रमुख कौशल बन जाता है। सीखने के कुछ निश्चित प्रतिफल हैं, जिन्हें राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् द्वारा परिभाषित किया गया है और उन्हें उस विशेष कक्षा के अंत में हासिल किया जाना चाहिए। अध्ययन के दौरान, कक्षा 3 और कक्षा 4 के लिए छह सीखने के परिणामों के साथ-साथ कक्षा 5 के लिए सात सीखने के परिणामों की पहचान की गई है, जो एक शिक्षार्थी के पढ़ने और लिखने के कौशल के साथ सामंजस्य स्थापित किया गया है। अध्ययन शुरू करने से पहले शिक्षार्थियों के सीखने के स्तर का मूल्यांकन किया गया था और नवाचारी गतिविधियों (जैसे— कहानी को पूरा करना, शिक्षार्थियों को लेखक के रूप में, ऑडियो पुस्तकें और चरमोत्कर्ष का पूर्वानुमान लगाना) को कक्षा के अंदर और बाहर आयोजित किया गया था। शिक्षार्थियों ने सभी गतिविधियों में आनंदपूर्वक भाग लिया, क्योंकि गतिविधियों को पूरा करने का कोई दबाव नहीं था और शिक्षार्थी अपनी रुचि के अनुसार गतिविधियों को पूरा कर सकते थे। अधिकांश गतिविधियों का पाठ्यपुस्तकों से कोई संबंध नहीं था या बहुत अल्प संबंध था, जो शिक्षार्थियों को स्वयं या किसी की सहायता से गतिविधियों को पूरा करने के लिए प्रेरित करता है। ऑडियो बुक गतिविधि को माता-पिता द्वारा बहुत सराहा गया, क्योंकि उनके शिक्षार्थियों द्वारा विकसित ऑडियो क्लिप अभिभावक शिक्षक बैठकों (पी.टी.एम.) के दौरान प्रस्तुत किए गए थे, जिससे उन्हें अपने शिक्षार्थी पर गर्व की अनुभूति हुई। सभी छात्र पंद्रह से बीस नई कहानियाँ लेकर आएँ, जो उनके द्वारा लिखी गई थीं और इसने उन्हें भविष्य में और अधिक लिखने के लिए सशक्त बनाया और उनकी शब्दावली में भी सुधार हुआ।

इसके अलावा, पहचाने गए सीखने के परिणामों के साथ शिक्षार्थियों के सीखने के स्तर में 50 प्रतिशत की वृद्धि (औसत) हुई है, जो एक शिक्षार्थी के पढ़ने और लिखने के कौशल से सामंजस्य स्थापित किया गया है। यह वृद्धि कोविड-19 स्थितियों का भी एक कारण हो सकती है, क्योंकि अधिकांश शिक्षण ऑनलाइन माध्यमों से प्रेरित रहा। इन नवाचारी गतिविधियों ने शिक्षार्थियों की एकाग्रता शक्ति में सुधार किया और उनके मस्तिष्क को ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को मज़बूत किया और इन गतिविधियों ने हमें स्कूलों के भौतिक रूप से खुलने पर शिक्षार्थियों को सीखने-सिखाने की गतिविधियों को संचालित करने मे सुगमता प्रदान की। इन गतिविधियों ने शिक्षार्थियों को स्कूल की ओर आकर्षित किया और उन्हें पढ़ने और लिखने के लिए प्रेरित किया (क्योंकि महामारी के दौरान ये आदतें पीछे छूट गई थीं)। नियमित पढ़ने के अभ्यास से छात्र वाक्य निर्माण और सही शब्दों और वर्तनी के उपयोग में बेहतर आदतें विकसित कर सकें। शब्दावली के विस्तार से शिक्षार्थियों में सशक्तिकरण की भावना आई और वे पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। पढ़ने से शिक्षार्थी की रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति मज़बूत हुई जिससे कोडिंग, प्रोग्रामिंग आदि जैसी अवधारणाओं के लिए

एक मज़बूत आधार विकसित हुआ। इन कौशलों ने एक छात्र को सार्वजनिक तौर पर बोलने और संचार में बेहतर बनाया, जिससे स्मृति और विश्लेषणात्मक कौशल में भी सुधार हुआ।

संदर्भ

मिनोवी, आर. 2017. *अरली रीडिंग और राइटिंग— द फाउनडेशन ऑफ लिटरेसी,* रोटलेज.

मिलर, डी. 2002. *रीडिंग विद मीनिंग : टीचिंग कोमप्रीहेंसन इन द प्राइमरी ग्रेड्स.* स्टैन हाउस पब्लिशर्स.

मुर्रे, टी.एस. 2017. *फंक्शनल लिटरेसी और न्युमरैसी— डेफिनिशंस और ऑप्शंस फोर मेजरमेंट फोर द एसडीजी टारगेट 4.6.*

मैककैरियर, ए., जी.एस. पिन्नेल और आई.सी. फाउनटास. 2000. *इंटरएक्टिव राइटिंग— हाव लैंग्वेज और लिटरेसी कम टुगेदर.* एन.एच. 03801–3912. 361 हेनओवर स्ट्रीट, पोर्ट्समाउथ.

रा.शै.अ.प्र.प. 2017. प्रारंम्भिक स्तर पर सीखने के प्रतिफल. https://ncert.nic.in/pdf/publication/otherpublications/tilops101.pdf से प्राप्त किया गया।

शी, एम. 2011. *पैरालल लर्निंग ऑफ रीडिंग और राइटिंग इन अर्ली* चाइल्डहुड. राउटलेज.

सिंह, बी. और जे. सिंह. 2012. फैक्टरस अफेक्टिंग लर्निंग आउटकम्स एट एलीमेंटरी स्कूल लेवल. द *प्राइमरी टीचर.* 45 (1, 2), पृ.सं. 48–76.

स्त्रिकलैंड, डी.एस. और मोरो और एल.एम. (संपादक) 2000. *बिगिनिंग रीडिंग और राइटिंग* (वॉल्यूम 50). टीचर्स कोलेज प्रेस.